शुक्रवार
27 जनवरी 2023

पृष्ठ 5

किसिंग सीन को लेकर पत्नी ने मारा था थप्पड़: इमरान हाशमी

पृष्ठ 4

सर्दियों में फिट रहने के लिए करें इन जूस का सेवन, इम्युनिटी को मिलेगा बूस्ट

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 04
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

मुहब्बत त्याग की माँ है। वह जहाँ जाती है अपने बेटे को साथ ले जाती है।

– सुदर्शन

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मुख्यमंत्री ने 320 मोटरसाईकिलों का फ्लैग ऑफ किया

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हीरो मोटोकॉर्प द्वारा राजस्व विभाग को उपलब्ध करायी गयी 320 मोटरसाईकिलों का फ्लैग ऑफ किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में हीरो मोटोकॉर्प लि. द्वारा राजस्व विभाग को उपलब्ध कराई गई 320 मोटर साइकिलों का फ्लैग ऑफ किया। ये मोटर साइकिलें राज्य के पर्वतीय जनपदों के लिए दी गई हैं। राजस्व विभाग के राजस्व उप निरीक्षकों को आपदा कार्यों, कानून व्यवस्था में सहयोग हेतु क्षेत्रीय भ्रमण, राजस्व से सबंधित विभिन्न कार्यों के त्वरित निरस्तारण के लिए ये मोटर साइकिलें दी जा रही हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हीरो मोटोकॉर्प का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्व विभाग के राजस्व उप निरीक्षकों को इन मोटर साइकिल की सुविधा मिलने से जन समस्याओं के निदान एवं विभिन्न कार्यों के लिए क्षेत्रों में भ्रमण करने में सुविधा होगी। राजस्व उप निरीक्षकों को दी गई इस सुविधा से उन्हें कार्यों को शीघ्रता से करने में सुविधा मिलेगी तो दूसरी ओर जन समस्याओं का समाधान भी तेजी से होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन समस्याओं का त्वरित समाधान हो, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा प्रक्रियाओं के सरलीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्मिकों को भी बेहतर कार्य करने के लिए हर सम्भव सुविधाएं दिये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव एवं आयुक्त राजस्व चन्द्रेश यादव, हीरो मोटोकॉर्प के सी.एस.आर हेड भारतेन्दु कबी, उप राजस्व आयक्त मो. नासिर एवं सहायक राजस्व आयुक्त के.के. डिमरी उपस्थित थे।

वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियां कब्जाने पर डंपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

देहरादून। वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियों को कब्जाने के मामले में पूर्व सांसद व बाहुबली अकबर अहमद डम्पी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नैनीताल में वक्फ बोर्ड की संपत्तियां खुर्द-बुर्द करने के आरोप में उत्तर प्रदेश से बहुजन समाज पार्टी के पूर्व बाहुबली सांसद और कांग्रेस में संजय गांधी के दौर में उनके करीबी रहे अकबर अहमद डंपी समेत सात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

आरोप है कि डंपी और अन्य आरोपियों ने नैनीताल जिले में अलग-अलग क्षेत्रों में फर्जी दस्तावेजों के सहारे वक्फ संपत्ति की खरीद-फरोख्त की और उसे अपने नाम करा लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार वक्फ संख्या 610 नैनीताल के सचिव हसमत अली पुत्र स्व. महफूज अली निवासी गौलापुर, काठगोदाम ने भवाली थाने में तहरीर देकर बताया कि ग्राम विसारदगंज रामगढ़ स्थित वक्फ संख्या 610 वक्फ गुलाम कादिर नैनीताल की 28 एकड़ (535 नाली 2 मुट्ठी) जमीन (आराजी) स्थित है, जो वक्फ अभिलेखो तथा ग्राम विसारदगंज के खाता संख्या 1 व 2 के खसरा नम्बर 23, 24, 25, 27, 28, 29, 30, 31, 32 व 21 में वक्फ संख्या 610 के नाम दर्ज चली आ रही है। इस भूमि पर रिसोर्ट बनाने के साथ साथ भूमि पर कब्जा कर इसे बेचा भी गया है।

सुरक्षा कारणों से जम्मू-कश्मीर में रोकी गई भारत जोड़ो यात्रा

जम्मू । कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में 'भारत जोड़ो यात्रा' निकाली जा रही है। इस बीच शुक्रवार को सुबह जम्मू-कश्मीर के बनिहाल से यात्रा आगे घाटी की ओर बढ़ी थी। इस बीच सुरक्षाकर्मियों ने पैदल यात्रा पर रोक लगा दी और सुरक्षा चिंता का हवाला दिया गया, जिसके बाद अनंतनाग के वेसु तक वाहनों के जरिए भेजा गया है। राहुल गांधी और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री व नेशनल कांफ्रेंसके उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला साथ में दिखाई दिए। दोनों नेता अनंतनाग तक वाहनों से गए हैं। भारत जोड़ो यात्रा गुरुवार को गणतंत्र दिवस के मद्देनजर एक दिन के विश्राम के बाद शुक्रवार को सुबह बनिहाल से फिर से शुरू हुई थी।

इधर, उमर अब्दुल्ला बनिहाल में ही भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए। राहुल की तरह सफेद टी-शर्ट पहने उमर ने कांग्रेस पार्टी के हजारों समर्थकों के साथ राहुल के साथ पदयात्रा में हिस्सा लिया। श्रीनगर से 120 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बनिहाल पहुंचने के बाद उमर ने कहा, 'भारत जोड़ो यात्रा का मकसद राहुल गांधी की छवि सुधारना नहीं, बल्कि देश के मौजूदा हालातों में बदलाव लाना है।'

उन्होंने कहा कि वह यात्रा में इसलिए शामिल हो रहे हैं, क्योंकि वह देश की छवि को लेकर ज्यादा चिंतित हैं। उन्होंने कहा, 'हम किसी एक व्यक्ति की छवि के लिए नहीं, बल्कि देश की छवि के लिए इसमें हिस्सा ले रहे हैं।

परीक्षा पे चर्चा: प्रधानमंत्री मोदी ने छात्रों को दी अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह

नयी दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि माता-पिता को सामाजिक स्थिति के कारण बच्चों पर दबाव नहीं डालना चाहिए। साथ ही उन्होंने छात्रों को, अपेक्षाओं के किसी भी बोझ से बाहर निकलने के लिए अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। दौरान छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से संवाद करते हैं और तनाव तथा परीक्षा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते हैं। श्परीक्षा पे चर्चाश्श में भाग लेने के लिए इस वर्ष रिकॉर्ड 38 लाख छात्रों ने पंजीकरण कराया।

श्परीक्षा पे चर्चाश्श वार्षिक संवाद के छठे संस्करण के दौरान छात्रों के सवालों का जवाब देते हुए पीएम मोदी

ने कहा कि छात्रों को अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने परीक्षाओं में अनुचित प्रथाओं के इस्तेमाल के खिलाफ भी दृढ़ता से बात की। उन्होंने कहा कि नकल से किसी को एक या दो परीक्षा में मदद मिल सकती है लेकिन जीवन में लंबे समय में इसका लाभ नहीं मिलता। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे कभी भी श्शॉर्टकटश्श रास्ता ना अपनाएं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि छात्रों की कड़ी मेहनत हमेशा उन्हें जीवन में आगे बढ़ने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि छात्रों को कई बार उन पर पड़ रहे दबाव का विश्लेषण करना चाहिए ताकि यह देखा जा सके कि कहीं वे अपनी ताकत को कम तो नहीं आंक रहे हैं। कहा कि परिवार के सदस्यों की अपेक्षाएं होना स्वाभाविक है लेकिन अगर यह सामाजिक वर्ग या स्थिति से जुड़ा होता है तो गलत है। उन्होंने कहा कि जैसे एक बल्लेबाज दर्शकों के चौके और छक्के की मांग वाली आवाजों को नजरअंदाज करते हुए फेंकी गई गेंद पर ध्यान केंद्रित करता है उसी प्रकार छात्रों को भी अपने काम पर ध्यान देना चाहिए।

दून वैली मेल

संपादकीय

आर्थिक असमानता एक अभिशाप

आज जब भारत अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और केंद्रीय सत्ता पर काबिज मोदी के नेतृत्व वाली सरकार सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास, का नारा लगाते हुए नहीं थक रही है, देश के आम और गरीब लोगों का आजादी के 75 सालों में कितना विकास हुआ है इस पर चिंतन मंथन करने का किसी के भी पास समय नहीं है। अभी कोरोना कॉल में इन गरीब लोगों को सरकार द्वारा जिंदा रहने के लिए मुफ्त राशन देने की व्यवस्था की गई थी। सवाल यह है कि 75 साल बाद भी देश की जनता को इतना संपन्न क्यों नहीं बनाया जा सका है कि वह अपने जीने के लिए जरूरी सामान को खुद जुटा सके। सत्ता में बैठे लोग कभी उन्हें मुफ्त का राशन देकर तो कभी मुफ्त गैस सिलेंडर बांटकर सिर्फ अपने वोटों का इंतजाम ही क्यों करते रहे हैं। हमारा संविधान भले ही सबको उन्नति के सामान अवसर देने वाला सही, लेकिन आज तक सबका सामान विकास हुआ क्यों नहीं? यह एक अति चिंतनीय विषय है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में अधिकार समूह ऑक्सफैम इंटरनेशनल द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक भारत की कुल संपत्ति के 40 फीसदी हिस्से पर सिर्फ एक फीसदी लोगों का अधिकार है। वही नीचे वाली 50 फीसदी आबादी के पास कुल संपत्ति का 3 फीसदी हिस्सा है। यानी अगर आबादी 140 करोड़ है तो 70 करोड़ लोगों के पास देश की कुल संपत्ति का 3 प्रतिशत और 14 करोड़ के पास 40 फीसदी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत के 10 अमीरों पर अगर 5 फीसदी कर भी लगा दिया जाए तो बच्चों को स्कूल लाने के लिए पर्याप्त धन मिल सकता है। अरबपति गौतम अडानी को 2017 से 2021 के बीच मिले अवास्तविक लाभ पर एकमुश्त कर लगने से 1.79 लाख करोड़ मिल सकता है जो देश के 50 लाख प्राथमिक शिक्षकों के वेतन के लिए एक साल को काफी होगा। इस रिपोर्ट में अगर अरबपतियों पर एकमुश्त दो फीसदी कर लगा दिया जाए तो भारत को कुपोषण से निपटने के लिए 40,423 करोड़ हासिल कर सकता है जो 3 साल के लिए काफी होगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि केंद्र की मोदी सरकार पर विपक्ष द्वारा 3 उद्योगपतियों के काम करने का आरोप लगाये जाते रहे है। देश की जिन समस्याओं का जिक्र आए दिन होता रहता है जिसमें महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार शामिल हैं उनका सबसे ज्यादा प्रभाव अगर किसी पर पड़ता है तो वह देश का वह निचला तबका ही है जिसे हम गरीबी की रेखा से नीचे मानते और गिनते हैं। सच यही है कि देश की 60 फीसदी आबादी की आर्थिक स्थिति आज भी ठीक नहीं है और इसी वर्ग का जीवन सबसे अधिक दुश्वारियां से भरा रहता है। जब देश आजाद हुआ था उस समय आर्थिक असमानता का स्तर इतना व्यापक और प्रभावी नहीं था लेकिन देश के राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था में आए बड़े बदलाव के कारण अब यह आर्थिक असमानता एक बड़ी समस्या और मुद्दा बन चुका है। व्यवस्थागत खामियों के कारण ही गरीब और अधिक गरीब होते जा रहे हैं तथा अमीर और अधिक अमीर। गरीबों के वोट बैंक पर राजनीति करने वालों को इस पर चिंतन मंथन करने की जरूरत है।

जिलाधिकारी ने ग्रोथ सेंटर हिण्डोलाखाल का किया निरीक्षण

संवाददाता

टिहरी। जिलाधिकारी डा. सौरभ गहरवार ने ग्रोथ सेंटर हिण्डोलाखाल का स्थलीय निरीक्षण कर दिशा निर्देश दिये।

आज यहां गणतंत्र दिवस समारोह के उपरान्त जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल डॉ. सौरभ गहरवार द्वारा मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार, अपर जिलाधिकारी रामजी शरण शर्मा सहित संबंधित अधिकारियों के साथ ग्रोथ सेंटर हिण्डोलाखाल, ग्राम पंचायत सौनी, ग्राम पंचायत औणी, ग्राम पंचायत कोडारना का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा ग्रोथ सेंटर हिण्डोलाखाल में कलस्टर के रूप में कार्य कर रही कुंजापुरी कलस्टर स्वायत्त सहकारिता समूह आगराखाल की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि माह मई-जून, 2023 में जी-20 का सम्मेलन प्रस्तावित है, इसको लेकर जनपद की सशक्त महिलाओं द्वारा किये जा रहे कार्यों को प्रदर्शित करने का प्लान है, इस हेतु किसी स्थान को चिन्हित करने, उत्पादों की पैकेजिंग अच्छी करने तथा किसी उपकरण की आवश्यकता होने पर अवगत कराने को कहा गया। तत्पश्चात जिलाधिकारी द्वारा अपनी टीम के साथ ग्राम पंचायत सानी, ग्राम पंचायत औणी तथा ग्राम पंचायत कोडारना का निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा पारम्परिक शैली पटाली से बने मकानों, जीवन यापन से संबंधित पौराणिक धरोहर यथा हाथ से संचालित चक्की(जान्द्रा), धान कूटने वाली ओखली(गंजयली-उरख्याली), दही मथने के उपकरण(रौड़ी-परौड़ी), सूपा, गोबर डालने वाली कंडी(ठोपरी), मिट्टी से बने चूल्हे, खेतों को जोतने वाले हल, पहाड़ी वाद्ययंत्र ढोल-दमाऊ, ग्राम पंचायत की आबादी, साफ-सफाई, किसानों द्वारा उत्पादित फसलों, पंचायत भवन, आंगनवाडी केंद्र आदि को देखा गया तथा जानकारी ली गयी।

जिलाधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत सोनी में पारम्परिक शैली पटाली से बने एक मकान को होमस्टे में कवर करने को कहा गया। ग्राम पंचायत औणी में जिलाधिकारी द्वारा सामुदायिक मिलान केंद्र की मरमत करने के निर्देश दिए गए तथा सोलर पम्पिंग के लिए सीएओ को इस्टीमेट बनाने के निर्देश दिये गए। जिलाधिकारी द्वारा ग्रामीणों की दैनिक दिनचर्या की रुपरेखा तैयार करने हेतु डीडीओ को तथा तीनों गांव की आबादी, सड़क से दूरी, सुविधाए आदि का अपडेट तैयार कर उपलब्ध कराने हेतु डीपीआरओ को निर्देशित किया गया।

इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार एसडीएम नरेन्द्रनगर देवेन्द्र नेगी, सीएओ अभिलाषा भटट, डीपीआरओ एम.एम खान, सहायक निबंधक सहकारिता सुभाष गहतोड़ी, उरेडा अधिकारी एम.एम डिमरी, एडीपीआरओ राकेश, प्रधान ग्राम पंचायत सोनी चंद्रमा पुंडीर, प्रधान ग्राम पंचायत औणी रविन्द्र पुंडीर, प्रधान ग्राम पंचायत कोडारना सुनीता भट्ट, क्षेत्र पंचायत सदस्य कोडारना अनिल भट्ट सहित अन्य अधिकारी एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

दुर्गाबाड़ी सोसाइटी ने किया सरस्वती पूजन का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। दुर्गाबाडी सोसाइटी ने बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया। दुर्गाबाड़ी सोसायटी द्वारा सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया हर साल की तरह इस बार भी पूजा पाठ करने के लिए कोलकाता से पंडित आए हुए थे। पहले सुबह तिरंगा लहरा कर गणतंत्र दिवस मनाया गया। साढे ग्यारह बजे पूजा का शुभारंभ हुआ फिर बारह बजे मां सरस्वती को पुष्पांजलि अर्पित कि गयी उसके बाद लोगों को दो बजे भोग वितरित किया गया फिर शाम साढे सात बजे पूजा आरती की गई आठ बजे हवन किया और फिर उसी के साथ साढे आठ बजे शांति जल देकर पूजा का समापन किया गया।

हाथ से जोडो हाथ अभियान की शुरुआत हरिद्वार से

संवाददाता

हरिद्वार। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने हाथ से जोडो हाथ अभियान की शुरूआत हरिद्वार में गंगा मां का अर्शीवाद लेकर की।

आज यहां कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष करन माहरा ने हाथ से जोड़ो हाथ अभियान की शुरुआत माँ गंगा के आशीर्वाद के साथ हरिद्वार से शुरू की। हम प्रदेशवासियों से वादा करते हैं कि ये यात्रा आपसी सौहार्द, भाईचारे को बढ़ाने के साथ-साथ ज्वलंत मुद्दों को उठाएगी। आप साथ बनाए रखिए...हम हौसले जारी रखेंगे। गंगा आरती में पूर्व मंत्री नवप्रभात, शूरवीर सिंह सजवान, जिला अध्यक्ष सतपाल ब्रह्मचारी, धीरेंद्र प्रताप, राजीव चौधरी, मानवेंद्र सिंह, पुष्पा जोशी, सेवादल से सुंदरी, चौधरी बलजीत सिंह, चौधरी करतार सिंह, डॉ प्रदीप शर्मा, सुंदर सिंह मनवाल, अरविंद कुमार शर्मा, दर्शन लाल सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेसजन मौजूद रहे।

नेताजी संघर्ष समिति ने मनाया गणतंत्रा दिवस

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने प्रत्येक वर्ष की भांति धूमधाम से गणतंत्र दिवस मनाते हुए आजादी के शहीदों को याद किया। आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने पूर्व की भांति इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस मनाया। इस मौके पर माजरा सेवला कलां में समिति के प्रभात डंडरियाल और आरिफ वारसी ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर समिति के प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने कहा कि हमें महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, राज गुरू, सुखदेव, भगत सिंह, अशफाकउल्ला, रामप्रसाद बिस्मिल और उन शहीदों को कभी नहीं भूलना चाहिए जिनके बलिदान के कारण आज हम स्वतंत्र भारत में खुली हवा में सांस ले रहे हैं। प्रभात डंडरियाल ने कहा कि आज के दिन देश का संविधान लागू हुआ था हमें उस संविधान पर चल कर काम करने और देश को मजबूत करने के लिये आगे आना चाहिए। इस मौके पर आरिफ वारसी,प्रभात डंडरियाल,अरुण खरबंदा, परवीन शर्मा, मनोज सिंघल, इसराइल मलिक इम्तियाज अहमद,इरशाद खान आदि मौजूद रहे।

स्तोता यत्ते अनुव्रत उक्थान्यृतुथा दधे।
शुचिः पावक उच्यते सो अद्भुतः॥
(ऋग्वेद ८-१३-१९)

मनुष्य जब परमेश्वर के नियमों का पालन करता है और ऋतु के अनुसार आचरण करता है। तो वह पवित्र हो जाता है और दूसरों को भी पवित्र करता है। ऐसा मनुष्य अद्भुत जीवन वाला होता है।

When a person follows the laws of God and behaves according to the season. Such a person becomes purified, and he does purify others as well. Such a person has a wonderful life. (Rig Ved 8-13-19)

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मृति स्तंभ पर किया ध्वजारोहण

संवाददाता

हरिद्वार। गणतंत्र दिवस पर उपजिलाधिकारी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मृति स्तंभ पर झंडारोहण किया।

गत दिवस गणतंत्र दिवस पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मृति स्तंभ,अपर रोड हरिद्वार पर झंडारोहण, उपजिलाधिकारी द्वारा किया गया। वक्ताओं ने हरिद्वार क्षेत्र के 320 आजादी के योद्धाओं को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए संविधान में प्रदत्त अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सेनानी परिवारों की विशेष जिम्मेदारी को रेखांकित करते हुए कहा की देश में सांप्रदायिक सद्भाव, एकजुटता, भाई चारे को मजबूत बनाने की वर्तमान समय में अधिक आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि हम सबकी जिम्मेदारी सामाजिक हितों के लिए योगदान देने की भी है तभी हम उनके प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह कर सकेंगे। वक्ताओं ने राष्ट्रीय पर्व पर स्मृति स्तंभ की उपेक्षा करने पर भी रोष व्यक्त किया। इस अवसर पर वरिष्ठ उत्तराधिकारियों को सम्मानित भी

किया गया। जनपद के अन्य स्थानों, ग्राम गाजीवाली, ग्राम बहादरपुर जट, रुड़की आदि स्थानों पर भी सेनानी परिवार जनो ने सेनानियों के स्मारकों पर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के तत्वाधान मे ध्वजारोहण के कार्यक्रम आयोजित किये। कार्यकर्मों में उपस्थित गणमान्य लोगो मे मुरली मनोहर, श्याम सुंदर सचदेवा, अनिल गिरी, संध्या रानी, शशिभूषण सकसैना, राजेश शर्मा, सत्येंद्र बिष्ट, अरुण शर्मा, सचिंद्र गिरी, अर्जुन सिंह,,अशोक कुमार, दिनेश कुमार, खेम पाल सिंह, बाबूराम, शेर सिंह, रामपाल सिंह, रति सक्सेना, डॉ अरविंद कुमार, गोपाल सिंह यादव, मनीषा, अमृता कश्यप, सुरेंद्र शर्मा, बलवीर सिंह, अर्जुन राणा, विनय कुमार, मास्टर भोपाल सिंह, अजय शर्मा, बालकिशन कोरी, तरुण बेरी, समर्थ अग्रवाल, उर्मिला देवी, प्रतिभा रोहिल्ला, विजयलक्ष्मी, तरुणा ठाकुर, गौरव सचदेवा, पुष्पेंद्र शर्मा, पंकज शर्मा, ऋषि त्यागी, पंकज कोरी, शुभम अग्रवाल, रीता गुलाटी, निशी शर्मा, विशाल अग्रवाल, मूर्ति देवी आदि थे।

25वाँ स्थापना दिवस बाल्मीकि चेतना के रूप में मनाया गया

संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय बाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा ने अपना 25वां स्थापना दिवस बाल्मीकि चेतना सम्मेलन के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया।

आज यहाँ नगर निगम प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि नरेश बंसल ने कहा कि भाजपा ने बाबा साहेब डॉ भीम राव अम्बेडकर को अपेक्षित सम्मान दिया है, जो पहले की सरकारों ने नहीं किया। केन्द्र व राज्य सरकार सबको साथ लेकर कार्य कर रही है। उन्होंने मोर्चा द्वारा समाज के लिए किये गए संघर्ष एवं कार्यों की प्रशंसा की। मोर्चा की ओर से मुख्य अतिथि नरेश बंसल को स्मृति चिन्ह एवं शॉल से सम्मानित किया सकार्यक्रम का आयोजन नगर निगम टाउन हॉल में हुआ।

मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवत प्रसाद मकवाना ने अपने संबोधन में कहा कि सफाई कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डालकर स्वछता का कार्य करते हैं स कोरोना महामारी के समय अप्रत्याशित कार्य किया लेकिन स्वस्छता कर्मचारियों से ठेकेदारी व मोहल्ला स्वछता समिति के जरिये शोषण किया जा रहा है। मकवाना ने राज्य सफाई कर्मचारी आयोग को संवैधानिक दर्जा देने की भी सरकार से माँग की।

कार्यक्रम में उपस्थित राजपुर क्षेत्र विधायक खजान दास, कैंट क्षेत्र विधायक सविता कपूर, उत्तराखंड अनुसूचित आयोग के अध्यक्ष मुकेश कुमार, भाजपा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल ने अपने संबोधन में मोर्चा के कार्यों की प्रशंसा की और विश्वास दिलाया कि बाल्मीकि समाज की किसी भी समस्या को लेकर सरकार गंभीर है। इस अवसर पर मोर्चा के संस्थापक सदस्यों सुरेंद्र राजौरी,राजेंद्र केसला, नीरज नगलिया को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक मोर्चा के प्रमुख महामंत्री मदन बाल्मीकि थे एवं संचालन मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री राजेश राजोरिया ने किया।

इस अवसर पर दूनघाटी रंगमंच के महेश नारायण, आदेश नारायण, बृजेश नारायण ने शहीदों एवं सैनिकों की याद में देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र केसला, सभासद विशाल बाल्मीकि,प्रदेश कार्य वाहक अध्यक्ष राकेश तिनका, प्रदेश मीडिया प्रभारी विनोद घाघट, महामंत्री राजीव राजौरी, अज्जु भाई, विनोद गोदियाल, सुखबीर सिंह, पिन्द, अनिल आदि भी थे।

स्मैक के साथ तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान हसनपुर पानी की टंकी के पास मोटरसाईकिल सवार दो युवकों को रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडे हुए। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से 11 ग्राम स्मैक बरामद कर ली।

पूछताछ में उन्होंने अपने नाम फुरकान उर्फ माना पुत्र जुबेर निवासी हसनपुर व शहवाज पुत्र शहीद निवसी बडा रामपुर सहसपुर बताया। वहीं सेलाकुई पुलिस ने आर्मी ग्राउंड के पास से एक युवक को साढे सात ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपना नाम नदीम पुत्र जहीर निवासी शाहजहांपुर बताया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज वाहन को सीज कर दिया।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

हेल्दी रहने को घर में हमेशा रखें रखें ये फूड

हेल्दी रहने के लिए जरूरी है कि घर में कुछ खास फूड रखें जाएं जो आपको सेहतमंद बनाएंगे। चलिए जानते हैं किन सुपरफूड्स का घर में होना है जरूरी।

कच्ची सब्जियां- खीरा, तोरी, गाजर, टमाटर और घिया जैसी सब्जियों का घर में होना बहुत जरूरी है। इसी के साथ ऐसी सब्जियां रखें जिनमें पोटेशियम, फाइबर, फोलिक एसिड, विटामिन ए, और विटामिन सी जैसे कई पोषक तत्व मौजूद हों। ये वसा घटाती हैं, कम कैलोरी की होती हैं और इनसे कॉलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है।

फ्रूट सलाद - सेब, अंगूर, जामुन और किवी जैसे मौसमी फल आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। ये रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकती है, हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकती है, कुछ प्रकार के कैंसर को रोक सकती है, आंखों और पाचन समस्याओं को कम कर सकती है और रक्त शर्करा पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकती है इसके अलावा ये भूख को बढ़ने से रोकने में मदद करती है।

हरी सब्जियां- पालक, चेरी, बीन्स और नट्स न केवल ऊर्जा के स्रोत होते हैं बल्कि उन पोषक तत्वों से भी भरपूर होते हैं जो आपके शरीर के लिए आवश्यक होते हैं। हरी सब्जियों में विटामिन ए, विटामिन सी, बीटा-कैरोटीन, कैल्शियम, फोलेट, फाइबर और फाइटोन्यूट्रिएंट्स होते हैं, जो एक स्वस्थ आहार के लिए एक अच्छा विकल्प हैं। इनमें कोलेस्ट्रॉल नहीं होता है और ये कैलोरी और सोडियम में स्वाभाविक रूप से कम होते हैं। कम वसा वाले डेयरी उत्पाद- कम वसा वाले डेयरी प्रोडक्ट जैसे कि स्किम या वसा रहित दूध और दही और पनीर की कम वसा वाली किस्में प्रोटीन के उत्कृष्ट स्रोत हैं। इनमें कई तरह के खनिज, राइबोफ्लेविन, नियासिन और विटामिन बी 6 और बी 12 होते हैं। ये वजन कम करने में और साथ ही कोलेस्ट्रॉल में सुधार करने में मदद कर सकते हैं।

दाढ़ियों की वापसी

एक बार फिर मर्दों के चेहरे पर दाढ़ी दिखने लगी है। ज्यादा दिन नहीं हुए जब ऑफिसों में काम करने वाले लोग चेहरे को सफाचट रखना जरूरी मानते थे। मूंछें थोड़ी-बहुत चल भी जाएं तो दाढ़ी से खास परहेज रखा जाता था।

अगर आपने दाढ़ी रखी है तो या तो आप दिल टूटने के सदमे से उबर नहीं पाए हैं, या फिर एक्टिविस्ट टाइप के जीव हैं। दोनों में से किसी भी स्थिति में आप कार्यस्थल पर जिम्मेदार माने जाने लायक नहीं हैं। इस सोच ने पिछली सदी के पुरुषों पर अपना प्रभाव बरकरार रखा। मगर 21वीं सदी इस मामले में भी बदलाव लेकर आई। शुरुआत इस रूप में हुई कि ऑफिसों में थोड़ी अनौपचारिकता को रचनात्मक दृष्टि से लाभकर माना जाने लगा और दाढ़ी-मूंछों पर लगी अघोषित पाबंदी कमजोर पड़ने लगी। इसके बाद देखते-देखते दाढ़ी के पक्ष में एक बयार ही बहने लगी। कहां तो दाढ़ी को लापरवाही का पर्याय माना जाता था, कहां अब उसे व्यक्ति के ज्यादा जिम्मेदार होने का संकेत माना जाने लगा। अब बड़े-बड़े पदों पर बैठे लोग भी दाढ़ी में दिखने लगे हैं। इतना जरूर है कि यह बेतरतीब बढ़ी दाढ़ी नहीं होती। कायदे से ट्रिम की हुई और लगातार देख-भाल के बीच पली दाढ़ी होती है।

चलन में आया यह बदलाव न तो पूरी तरह अकारण है, न ही निर्बाध। याद किया जा सकता है कि जब कुछ समय पहले दाढ़ी रखने का चलन बढ़ा तो एक रेजर कंपनी की तरफ से यह प्रचार शुरू किया गया कि महिलाएं दाढ़ी-मूंछों वाले पुरुषों को पसंद नहीं करतीं। इस प्रचार का व्यावसायिक कारण समझ में आता है। लेकिन अब, जब लड़कियां भी ट्रिम की हुई दाढ़ियों की दीवानी बताई जाने लगी हैं तो इसके पीछे भी कुछ न कुछ बिजनस जरूर होगा।

सर्दियों में करें नारियल तेल से बेबी की मालिश

नारियल का तेल बच्चों की स्किन के लिए एक सनस्क्रीन का काम करता है। रोजाना इसकी मालिश से बच्चे सूरज की पराबैंगनी किरणों के दुष्प्रभावों से दूर रहेंगे। छोटे बच्चों की मांसपेशियों की मजबूती और सेहत के लिए मालिश बहुत जरूरी है। लेकिन यह ध्यान रखना भी जरूरी है कि मालिश सही तरह से और सही दिशा में की जाए। और उससे भी ज्यादा जरूरी है कि मालिश के लिए सही तेल का चुनाव किया जाए। चूंकि बेबी की स्किन काफी सॉफ्ट होती है, इसलिए मालिश के लिए नारियल का तेल बेस्ट माना जाता है।

सर्दियों में बच्चे को धूप में लिटाकर नारियल के तेल यानी कोकोनट ऑइल से मालिश करनी चाहिए। इसके ढेरों फायदे होते हैं। आइए जानते हैं कि वे फायदे क्या हैं:

नारियल के तेल में ऐंटी-बैक्टीरियल प्रॉपर्टीज होती हैं जो हर तरह के इंफेक्शन को दूर रखती हैं। यह स्किन में आसानी से अब्जॉर्ब भी हो जाता है।

डायपर के इस्तेमाल से कई बार बच्चों की स्किन पर रैशेज भी पड़ जाते हैं। इससे बचने के लिए स्किन पर नारियल का तेल लगाने के अलावा डायपर पर भी हल्का सा तेल लगा दें। इससे स्किन ड्राई नहीं होगी और हेल्दी रहेगी।

नारियल के तेल में आयरन होता है और इसकी मालिश से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है। इसके अलावा इसमें विटमिन सी, ई और के भी होता है जो बच्चे की सेहत के साथ-साथ स्किन को हेल्दी बनाए रखने में भी मदद करते हैं।

कई बार बच्चों के मुंह पर छोटे-छोटे दाने निकल आते हैं। इनमें कई बार दर्द और खुजली भी होने लगती है। ये दाने वक्त के साथ इंफेक्शन का रूप ले सकते हैं और पूरे शरीर में फैल सकते हैं। लेकिन नारियल के तेल की मालिश से इन दानों को सही किया जा सकता है। दरअसल कोकोनट ऑइल में लॉरिक ऐसिड होता है जो इन दानों को जन्म देने वाले कीटाणुओं को नष्ट करने में मदद करता है।

लोरिक एसिड पेट में ऐंठन की समस्या को भी दूर करता है। इसके लिए आप बेबी फूड में कोकोनट ऑइल की कुछ बूंदे मिक्स कर सकते हैं। लेकिन ध्यान रहे कि इसके लिए पहले अपने डॉक्टर से सलाह ले लें।

दवाब की राजनीति

अपनी करिश्माई काबिलियत पर जरूरत से ज्यादा ऐतबार रखने वाली उमा भारती एक बार भाजपा से अलग होकर अपना अलहदा सियासी मुकाम बनाने का प्रयोग कर चुकी हैं। परिस्थितियों उन्हें दोबारा उसी प्रयोग पर अमल करने की इजाजत नहीं दे रहीं। संभवत: यही वजह है कि इस बार वे पार्टी अनुशासन की लक्ष्मण रेखा लांघने की भूल करने की बजाय, दायरे में रहकर दवाब बनाने की राजनीति करती दिख रहीं हैं। शराब बंदी की मुहिम की आड़ में जहां एक ओर वे शिव- सरकार को धर्मसंकट डालती रहीं, वहीं दूसरी ओर समय-समय पर शिवराज की प्रशंसा करने का राजधर्म भी निभाती रहीं। राजनीति में अपनी महत्वाकांक्षाओं की अमरबेल पनपाने के लिये इस तरह का संतुलन बनाना वर्तमान दौर की राजनीति की जरूरत जो कहलाती है। तारीख पर तारीख बढ़ाते रहने के बावजूद जब उमा भारती को अपेक्षित परिणाम मिलते नहीं दिखे, तो उन्होंने जातिगत समीकरणों का सहारा लिया। सजातीयों को लाभ-हानि का वास्ता देकर वोट करने की बात भी कहीं और स्वयं के पार्टी की प्रतिबद्धता से जुड़े रहने का संकल्प दोहराकर अपने बचाव का मार्ग भी महफूज रख लिया। इसके तुरन्त बाद भगवान राम और हनुमान के बारे में वही बयान दुहराये जिनका वे कई बार जाप कर चुकी हैं और जिनका आशय भगवान पर भाजपा के एकाधिकार को नकारने का रहा है।

मध्यप्रदेश भाजपा की सत्ता राजनीति में इन दिनों शिव-विरोधी आंतरिक संघर्ष की खामोश सक्रियता भभकती दिखाई पड़ रही है। भाजपा को सत्ता में बनाये रखना यद्यपि सभी का घोषित लक्ष्य है लेकिन शिव- राजवंश के रहते जो कथित क्षत्रप स्वयं को उपेक्षित मानते हैं, वे नेतृत्व परिवर्तन को वक्त की जरूरत बताकर अपने मिशन को मजबूत भी करते जा रहे हैं। इस साल के अंत में होने वाले विधान सभा चुनावों से पहले उपेक्षित कुनबे का कितना विस्तार होता है, उमा भारती की सियासी संभावनाऐं इसी पर निर्भर रहेंगी।

जहाँ तक शिवराज के राजनीतिक स्थायित्व का सवाल है, उन्हें चुनौती देने लायक कोई परिस्थिति फिलहाल दिखाई नहीं देती। अपनी-अपनी महत्वाकांक्षाओं के कारण जो लोग नेतृत्व परिवर्तन की बात करते हैं, उनमें से ज्यादातर यह भी स्वीकार करते हैं कि 2023 में सत्ता का लक्ष्य शिवराज की पार्टी के प्रति प्रतिबद्ध भूमिका की बदौलत ही साधा जा सकता है। एंटी इन्कमबेंसी के नाम पर शिवराज से नेतृत्व छीना जाये, पार्टी का एक बड़ा तबका इस प्रयोग से इत्तफाक रखता दिखाई नहीं देता। लोधी समाज के बोट-बैंक को अपनी मर्जी के मुताबिक इस्तेमाल करने में उमा भारती कितनी कामयाब होंगी, इस पर स्पष्ट राय का अभी अभाव है। इस समाज से जुड़े कुछ बड़े नेता अभी भाजपा की मुख्यधारा से जुड़े हैं और सत्ता में भागीदार भी बने हुए हैं, ऐसे में वे दबाव की राजनीति का समर्थन करना पसंद क्यों करेंगे? बहरहाल ग्वालियर चंबल अंचल सहित विदिशा, बालाघाट, रायसेन, नर्मरापुरम् और नरसिंहपुर जिलों की लगभग 60-65 विधान सभा सीटों पर लोधी समाज का अपना रसूख है जो जीत-हार के समीकरणों को प्रभावित करने का माद्दा भी रखता है। उमा भारती इसे अपनी ताकत मानती तो होंगी लेकिन यह ताकत सियासी सौदेबाजी पर कितना असर दिखायेगी, यह देखना अभी बाकी है।

(लेखक:- मध्यप्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार हैं)

भाजपा में बादल की उपयोगिता

प्रकाश सिंह बादल के भतीजे और एक समय अकाली दल के बड़े नेता रहे मनप्रीत बादल भाजपा में शामिल हो गए हैं। अब प्रदेश में बड़ी पार्टियों में सिर्फ आम आदमी पार्टी है, जिसमें वे नहीं रहे हैं। पहले वे अकाली दल में थे और अपने चाचा की सरकार में मंत्री थे। फिर उन्होंने अकाली दल छोड़ कर पंजाब पीपुल्स पार्टी बनाई

और 2012 में बुरी तरह हारे। हालांकि उनकी पार्टी के वोट काटने की वजह से अकाली दल लगातार दूसरी बार सत्ता में आई। इसके बाद वे कांग्रेस में चले गए और कांग्रेस ने उनको 2017 में कैप्टेन अमरिंदर सिंह की सरकार में वित्त मंत्री बनाया। अब भाजपा नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को शेर बताते हुए वे भाजपा में चले गए हैं, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों को साकार करने का काम करेंगे। अब सवाल है कि पंजाब में भाजपा की राजनीति में उनकी क्या उपयोगिता है? भाजपा वहां हिंदू मतदाताओं में अपना आधार बढ़ा रही थी। लेकिन अब अचानक सिख राजनीति की ओर मुड़ी है। पूर्व आईपीएस अधिकारी इकलाब सिंह लालपुरा को भाजपा संसदीय बोर्ड में शामिल किया गया है। कैप्टेन अमरिंदर सिंह की पार्टी का विलय भाजपा में कराया गया है और अब मनप्रीत बादल को पार्टी में लिया गया है। भाजपा की यह सिख राजनीति खास कर बादल को पार्टी में लेने का फैसला क्या अकाली दल को रास आएगा? ध्यान रहे पिछले कुछ दिनों से भाजपा की बातचीत अकाली दल से हो रही है और उसके फिर से एनडीए में लौटने की चर्चा है। पिछले 10-12 साल से मनप्रीत के साथ बादल परिवार के संबंध अच्छे नहीं रहे हैं। फिर भी राजनीति में कुछ भी संभव है। क्या पता इसी बहाने परिवार फिर एकजुट हो जाए? इसके मनप्रीत बादल की एक उपयोगिता यह है कि वे लोकसभा की एक सीट पर मजबूत उम्मीदवार हो सकते हैं। भाजपा अभी इसी तलाश में है। उसे हर सीट पर लड़ने वाला एक मजबूत उम्मीदवार चाहिए। (आरएनएस)

सर्दियों में फिट रहने के लिए करें इन जूस का सेवन, इम्युनिटी को मिलेगा बूस्ट

सर्दियों का मौसम जारी हैं और कडाके की ठण्ड ने उत्तर भारत में कहर बरपा रखा हैं। इस मौसम में सभी को बीमारियों का डर बना रहता हैं जिससे बचने के लिए जरूरी हैं कि अपनी इम्युनिटी को बूस्ट किया जाए। ठंड के इस मौसम में सर्दी, खांसी और फ्लू जैसे संक्रमण बेहद आम हैं। ऐसे में आपकी मदद कर सकते हैं कुछ ऐसे जूस जो आसानी से बन जाते हैं और अपने पोषक तत्वों से इम्युनिटी को मजबूत बनाने का काम करते हैं। सर्दियां हो या गर्मियां जूस हर सीजन में सेहत के लिए फायदेमंद साबित होता है। यहां हम आपको जिन जूस के बारे में बताने जा रहे हैं वो सर्दियों में आपकी अच्छी सेहत का राज बनेंगे। आइये जानते हैं इनके बारे में...

अजमोदा का जूस: अजमोदा और टमाटर का जूस सर्दियों में पिया जा सकता है। यह जूस कई स्वास्थ्य समस्याओं को भी दूर करता है। इस जूस को पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। साथ ही अजमोदा का जूस हृदय, किडनी और लिवर को भी स्वस्थ रखता है। इसके अलावा यह अजमोदा और टमाटर का जूस विटामिन सी का भी अच्छा सोर्स है। इस जूस को पीने से वेट लॉस में मदद मिलती है। इसमें विटामिन ए भी होता है, जो आंखों के लिए फायदेमंद होता है।

चुकंदर और गाजर का जूस : ठंड के मौसम में चुकंदर, गाजर और अदरक का जूस पीना काफी अच्छा माना जाता है। चूंकि अदरक की तासीर गर्म होती है इसलिए इस जूस का सेवन करने से आपके शरीर को गर्मी मिलती है। वहीं, गाजर और चुकंदर में कई तरह के विटामिन और खनिज मौजूद होते हैं। जब आप इस जूस का सेवन करते हैं तो आपको आयरन, विटामिन ए और विटामिन सी काफी अच्छी मात्रा में मिलता है। साथ ही, इसके सेवन से आपका इम्युन सिस्टम भी मजबूत होता है।

टमाटर का जूस: कई लोग सर्दियों में टमाटर का जूस भी पीते हैं। टमाटर आपकी सेहत के लिए काफी अच्छा होता है। टमाटर में भरपूर मात्रा में फाइबर और विटामिन बी9 होता है। साथ ही यह विटामिन सी का भी अच्छा सोर्स होता है। टमाटर का सेवन करने से आप संक्रमण से बच सकते हैं। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और कब्ज की समस्या को दूर करता है। वजन घटाने के लिए भी टमाटर का जूस अच्छा माना जाता है।

ग्रीन एप्पल, गाजर, और ऑरेंज का जूस: विंटर में इस जूस का सेवन करना भी काफी अच्छा माना जाता है। गाजर, सेब और संतरा आपके शरीर को संक्रमण से लड़ने में मदद करने के लिए एक बेहद ही अच्छा कॉम्बिनेशन माना जाता है। जहां सेब और संतरे आपको विटामिन सी देते हैं। वहीं, गाजर में एंटीऑक्सीडेंट बीटा कैरोटीन और विटामिन बी 6 होते हैं। यह आपके इम्युन सिस्टम को काफी मजबूत बनाता है।

संतरा और गाजर का जूस: इस सर्दी में अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए इस जूस को आजमाएं। इस जूस को बनाने के लिए सबसे पहले एक जूसर में संतरे और गाजर का अलग-अलग जूस निकाल लें। इन्हें गिलास में डालें। अब इन्हें एक साथ ब्लेंडर में डालें। अदरक और हल्दी पाउडर डालें। मिश्रण को अच्छी तरह से ब्लेंड करें और एक गिलास में डालें। इसे नींबू के टुकड़े से गार्निश करें और सर्व करें। आप इसमें नींबू के रस की कुछ बूंदे भी मिला सकते हैं।

स्ट्रॉबेरी और कीवी का जूस: यह एक ऐसा जूस है, जो विटामिन सी रिच होता है और इसलिए इसे इम्युन सिस्टम के लिए काफी अच्छा माना जाता है। आप चाहें तो इसे एक स्मूदी के रूप में भी बनाकर पी सकते हैं। आप इसे तैयार करने के लिए इसमें दूध को भी शामिल कर सकती हैं। दूध प्रोटीन और विटामिन डी का एक अच्छा स्रोत है, जो केवल फलों या सब्जियों का उपयोग करने वाले जूस में मिलना मुश्किल है।

पालक का जूस: सर्दियों के मौसम में बीमारियों से बचाने में पालक का जूस भी बहुत कारगर माना जाता है। सर्दियों में पालक इम्यूनिटी के लिए अच्छा है। इसमें केरोटीन, अमीनो एसिड, आयरन, आयोडीन, पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। साथ ही विटामिन ए, सी, के, ई और बी कॉम्पलेक्स भी प्रचुर मात्रा में होता है। पालक का नियमित सेवन करने से हमारे शरीर का पीएच लेवल बैलेंस रहता है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -009

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

1		2	■	3		4	■	5
	■	6			■	7		
8		9	■	10	11		■	
■		■	■	■		■	■	■
12		13	■	14		15	■	16
	■	17		■	■	18		
19	20		■	21	22		■	
■		■	■	■		■	23	
24			■	25			■	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 08 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

श्रीलीला ने छोड़ी महेश बाबू की फिल्म एसएसएमबी 28!

टॉलीवुड सुपरस्टार महेश बाबू की अपकमिंग फिल्म एसएसएमबी 28 को लेकर एक दिलचस्प जानकारी सामने आई है। सुनने में आया है कि इस फिल्म को शुरू करने से पहले ही फिल्म की सेकेंड लीन ने फिल्म से हाथ पीछे खींच लिए हैं। इस फिल्म को अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म अल वैकुंठपुरमलो फेम निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास बना रहे हैं। फिल्म में महेश बाबू के अपोजिट लीड रोल में अदाकारा पूजा हेगड़े नजर आने वाली हैं। पूजा हेगड़े के साथ ही फिल्म में एक और अभिनेत्री नजर आएंगी। फिल्म की इस सेकेंड लीड एक्ट्रेस को लेकर ही खासा बज है।

बीते दिनों रिपोर्ट्स थी कि इस फिल्म को तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री की उभरती अदाकारा श्रीलीला करने वाले हैं। जो फिल्म में सेकेंड लीड में नजर आने वाली थी। इस खबर से महेश बाबू के फैंस के बीच में खलबली मच गई है। हर कोई हैरान था कि भला श्रीलीला इतना बड़ा मौका हाथ से कैसे जाने दे सकती हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि अदाकारा श्रीलीला ने शूटिंग शुरू होने के कुछ वक्त पहले ही इस फिल्म को छोड़ दिया है। मगर अब ताजा खबरों की मानें तो ऐसा नहीं है।

अक्षय और टाइगर की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की शूटिंग शुरू

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म बड़े मियां छोटे मियां को लेकर चर्चा में हैं। अब निर्माता अली अब्बास जफर ने ट्विटर हैंडल पर क्लैपबोर्ड की एक तस्वीर साझा कर जानकारी दी है कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का बजट 300 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इस लिहाज से यह फिल्म बॉलीवुड की सबसे महंगी फिल्मों में शामिल हो जाएगी। फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में अक्षय और टाइगर के अलावा सोनाक्षी सिन्हा, मानुषी छिल्लर और पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं, जो खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर कर रहे हैं, जबकि इसका निर्माण वाशु भगनानी, जैकी भगनानी और दीपशिखा देशमुख द्वारा किया गया है। बता दें, अमिताभ बच्चन और गोविंदा की कॉमेडी एक्शन फिल्म बड़े मियां छोटे मियां साल 1998 में रिलीज हुई थी। हालांकि, वाशु भगनानी की यह फिल्म रीमेक नहीं है।

सुनिर खेत्रपाल ने रकुल प्रीत सिंह से मिलाया हाथ, थ्रिलर फिल्म में आएंगी नजर

लोकप्रिय अदाकारा रकुल प्रीत सिंह आज किसी पहचान की मोहताज नहीं रह गई हैं। यारियां से बॉलीवुड में एंट्री करने वाली रकुल ने एक के बाद एक कई बड़ी फिल्मों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। अब वह जल्द निखिल महाजन के निर्देशन में बनने वाली सुनिर खेत्रपाल की अगली थ्रिलर फिल्म में नजर आएंगी। निर्माता खेत्रपाल बदला और केसरी जैसी फिल्में बना चुके हैं। यह फिल्म महिला केंद्रित होगी। हालांकि, फिल्म का शीर्षक निर्धारित नहीं किया गया है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो रकुल को पिछली बार सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर थैंक गॉड में देखा था। हालांकि, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया। फिलहाल वह तेजस देवस्कर द्वारा निर्देशित फिल्म छत्रीवाली को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म 20 जनवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर स्ट्रीम हुई। इस फिल्म में एक सामाजिक मुद्दे को व्यंग्यगात्मक रूप से दिखाया जाएगा। इसके अलावा अभिनेत्री के पास तमिल फिल्म अयान और इंडियन 2 भी हैं।

शिल्पा शिंदे शो मैडम सर से कर रहीं छोटे पर्दे पर वापसी

पॉपुलर कॉमेडी शो भाभीजी घर पर हैं में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर देशभर में मशहूर हुईं अभिनेत्री शिल्पा शिंदे करीब सात साल बाद छोटे पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार है। वह जल्द ही सब टीवी के कॉमेडी शो मैडम सर में दिखेंगी। इसमें वह एक पुलिस ऑफिसर एसीपी नैना माथुर का किरदार निभाती नजर आएंगी। शिल्पा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर इस खबर की पुष्टि की है। शिल्पा ने इंस्टा पोस्ट में लिखा, मैं मैडम सर में एसीपी नैना माथुर का किरदार निभाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मुझे उम्मीद है कि आप सभी को मेरा यह रोल बेहद पसंद आएगा। आप सभी का मनोरंजन करने के लिए मैं अच्छा प्रदर्शन करूंगी। बता दें, साल 1999 में शिल्पा ने टेलीविजन की दुनिया में डेब्यू किया था, लेकिन उन्हें बड़ी पहचान भाभीजी घर पर हैं से मिली। वह बिग बॉस 11 की विजेता भी रह चुकी हैं।

किसिंग सीन को लेकर पत्नी ने मारा था थप्पड़: इमरान हाशमी

इमरान हाशमी को बॉलीवुड में सीरियल किसर के नाम से जाना जाता है। एक समय था जब उनसे इस बारे में सवाल किया जाता था, जो आज भी किए जाते हैं। एक्टर से ये सवाल हमेशा किया जाता रहा है कि फिल्मों में फिल्माए गए किस सीन को लेकर उनकी पत्नी परवीन साहनी का क्या रिएक्शन रहता है। एक्टर इमरान हाशमी को फिल्मों में उनके किरदारों की वजह से 'सीरियल किसर' भी कहा जाता है। इमरान फिल्मों में काफी बोल्ड सीन देते रहे हैं। हाल ही में उनसे इस सीन पर उनकी पत्नी परवीन शाहनी की प्रतिक्रिया के बारे में पूछा गया।

एक्टर ने खुलासा किया कि उनकी पत्नी किसिंग सीन को लेकर कैसी प्रतिक्रिया देती थीं। उन्होंने साल 2016 में अपनी किताब 'द किस ऑफ लाइफ' के लॉन्च के मौके पर बताया था कि, वो फिल्मों में मेरे इंटीमेंट सीन को लेकर रुठ जाती थीं। मगर अब धीरे-धीरे इस रुठने और मारने की प्रक्रिया में बदलाव होते जा रहा है। एक्टर ने बताया, वह अभी भी हिट करती है, लेकिन अब अपेक्षाकृत कम है। इमरान ने कहा, वह अब मुझे ज्यादा जोर से नहीं मारती, पहले वह बैग से मारती थी, अब वह अपने हाथ से मारती है, यह पिछले वर्षों की तुलना में बदल गया है। उन्होंने एक किस्सा शेयर करते हुए बताया कि एक बार मेरी पत्नी ने थप्पड़ मारा था। यह कहानी साल 2010 की है। इमरान ने बताया कि परवीन ने उनकी फिल्म 'क्रूक' देखने के बाद उन्हें थप्पड़ मारा था। उन्होंन कहा, मेरी फिल्मों की पहली स्क्रीनिंग के बाद मेरी पत्नी हमेशा मुझे मारती है। लेकिन वह जानती हैं कि यह मेरा काम है, इसलिए मुझे यह सीन करना पड़ता है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे वह परेशान होने के बाद परवीन को शांत करते हैं। उन्होंने कहा , मैं उनके लिए एक हैंडबैग खरीदता हूं। वह उसे फिल्म के हर फिल्म के लिए उपहार के रूप में एक बैग देते है। उनके पास बैगों से भरी एक अलमारी है। इसके बावजूद उन्हें एक नए बैग की जरूरत पड़ती रहती है। उन्होंने कहा, यह एक तरह से हमारे बीच का सौदा होता है। मैं उन्हें अपनी हर एक फिल्म के लिए गिफ्ट में बैग देता हूं। बता दें, फिल्म 'फुटपाथ' से बॉलीवुड में अपने करियर की शुरूवात करने वाले इमरान ने साल 2006 में अपनी गर्लफ्रेंड परवीन शहानी से शादी कर ली थी। परवीन शाहनी उनके बचपन की दोस्त हैं। वही, अब तक इमरान ने करीब 40 फिल्मों में काम किया है और लगभग हर फिल्म में उन्होंने 'किस' सीन दिया है।

हारमोनियम बजाना सीख रही एक्ट्रेस रीना कपूर

टीवी सीरियल 'आशाओं का सवेरा.. धीरे-धीरे से' की एक्ट्रेस रीना कपूर ने संगीत के प्रति अपने प्यार के बारे में बात की और बताया कि कैसे वह हारमोनियम बजाने में महारत हासिल करना चाहती हैं। उसने कहा: मैं अपने गुरुजी के बहुत सारे सत्संगों में भाग लेती थी, जहां विभिन्न स्थानों के बहुत सारे गायक आते थे और गाते थे, और मैं उन भजनों को सुनना पसंद करती थी और हमेशा चाहती थी कि क्या मैं कभी उन लोगों की तरह हारमोनियम बजा सकती हूं, जो वहां बजाते थे।

उन्होंने कहा, सौभाग्य से एक दिन, मेरे गुरुजी ने इसे बजाने की मेरी इच्छा के बारे में जानने के बाद एक हारमोनियम खरीदा और मुझे घर पर अभ्यास करने को कहा। लेकिन महीनों के अभ्यास के बाद भी, मुझे इसकी आदत नहीं पड़ी। फिर एक दिन, जब मैं अपने गुरुजी के आश्रम में दोबारा गयी, तो मेरी मुलाकात एक लड़की से हुई, जो तीन साल की उम्र से हारमोनियम बजा रही थी और वह कला में इतनी अच्छी थी कि उसने मुझे प्रेरित किया और मुझे पूरे मन से सीखने के लिए प्रोत्साहित किया।

रीना कपूर 'शक्ति- अस्तित्व के एहसास की', 'विष्णु पुराण', 'जय गंगा मैया' और कई अन्य टीवी शो का हिस्सा रही हैं। वर्तमान में, वह 'आशाओं का सवेरा.' में एक विधवा की भूमिका निभा रही हैं। 'वो रहने वाली महलों की' की अभिनेत्री ने आगे कहा कि वह हारमोनियम सीखने के लिए समय निकालती हैं और हारमोनियम बजाने की कला सीखने में अपना सारा प्रयास लगा देती हैं।

हालांकि मैं अभी भी हारमोनियम बजाने का अभ्यास करती हूं, जब भी मुझे समय मिलता है और संगीत के प्रति अपने प्यार को व्यक्त करने के लिए और संगीत की लय के साथ ताल मिलाने के लिए मैं हारमोनियम बजाते हुए भजन गाती हूं।

'आशाओ का सवेरा धीरे धीरे से' स्टार भारत पर प्रसारित होता है।

नकली नोट और सिस्टम की कहानी लेकर आए शाहिद और सेतुपति

शाहिद कपूर और साउथ के सुपरस्टार विजय सेतुपति की वेब सीरीज फर्जी का इंतजार उनके प्रशंसक बेसब्री से कर रहे हैं। आए दिन इससे जुड़ी नई जानकारी सामने आ रही थी। इसे लेकर दर्शक इसलिए भी उत्साहित हैं, क्योंकि इसके जरिए शाहिद और सेतुपति दोनों ही डिजिटल जगत में अपनी शुरुआत करने जा रहे हैं। यह उनकी पहली वेब सीरीज है। अब इस बहुप्रतीक्षित सीरीज का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

ट्रेलर की शुरुआत शाहिद से होती है, जिसने सीरीज में सनी नाम के एक ठग की भूमिका निभाई है। सनी के सपने बहुत बड़े-बड़े हैं, लेकिन जब सीधी उंगली से घी नहीं निकलता तो वह उंगली टेढ़ी कर देता है और नकली नोट छापना शुरू करता है। दूसरी तरफ हैं विजय सेतुपति, जो पुलिस अधिकारी बने हैं। अब क्या सनी सिस्टम को चकमा देकर कामयाबी के शिखर तक पहुंच पाएगा, यह तो सीरीज की रिलीज के बाद ही पता चलेगा।

ट्रेलर में शाहिद के डायलॉग ध्यान खींच रहे हैं, वहीं शाहिद और सेतुपति के बीच चूहे-बिल्ली की यह रेस मजेदार है। उनकी जगुलबंदी देखने लायक है। अभिनय की कसौटी में शाहिद और सेतुपति दोनों खरे उतरे हैं। राज और डीके फिर धमाल मचाने वाले हैं। इस सीरीज का निर्देशन राज और डीके ने किया है। यह जोड़ी इससे पहले द फैमिली मैन और द फैमिली मैन 2 जैसी शानदार वेब सीरीज बना चुकी है। फर्जी 10 फरवरी, 2023 को अमेजन प्राइम वीडियो पर आएगी। इसमें केके मेनन, राशि खन्ना, भुवन अरोड़ा, जाकिर हुसैन, जसवंत सिंह दलाल, अमोल पालेकर और कुब्रा सैत जैसे कलाकार भी हैं। इसे पहले फिल्म के रूप में बनाया जा रहा था, लेकिन बाद में इसे सीरीज की शक्ल दी गई।

शाहिद ने कहा, इस सीरीज की मेरे दिल में एक खास जगह है। यूं तो यह मेरा डिजिटल डेब्यू है, लेकिन राज और डीके के साथ काम करना मुझे अपने घर की तरह लगा। विजय सेतुपति और केके मेनन, जैसे शानदार साथी कलाकारों के साथ काम करने का अपना अलग ही मजा है। उन्होंने कहा, सनी की भूमिका आसान नहीं है। यह किरदार काफी उलझा हुआ है। उसकी परिस्थितियां उसे कुछ फैसले लेने पर मजबूर करती हैं। शाहिद निर्देशक अली अब्बास जफर की फिल्म ब्लडी डैडी में दिखेंगे। इसमें वह पुलिसवाले बने हैं। शाहिद दिनेश विजान की एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म को लेकर भी चर्चा में हैं, जिसमें उनकी जोड़ी कृति सैनन के साथ बनी है। दूसरी तरफ विजय क्राइम थ्रिलर फिल्म विद्युतलाई में नजर आएंगे। मैरी क्रिसमस से वह हिंदी फिल्मों में कदम रख रहे हैं। विजय मुंबईकर और जवान जैसी हिंदी फिल्मों में भी दिखेंगे। पैन इंडिया फिल्म माइकल भी उनके खाते से जुड़ी है। (आरएनएस)

विदेशी विश्वविद्यालयों का इतना हल्ला क्यों

अजीत द्विवेदी

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी ने विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में अपना कैंपस खोलने की इजाजत देने के नियमों का एक मसौदा जारी किया है। इस मसौदे को लेकर गजब का शोर मचा है। कई मीडिया वेबसाइट्स, यूट्यूब चैनल्स और मुख्यधारा के चैनलों पर भी ऐसा हल्ला मचा है, जैसे भारत में उच्च शिक्षा का पूरा परिदृश्य बदल जाने वाला हो। यह शोर है कि नरेंद्र मोदी की सरकार ने स्टैनफोर्ड, येल, ऑक्सफोर्ड और कैंब्रिज जैसे विश्वविद्यालयों को भारत में लाने के लिए बड़ी पहल की है। यह अलग बात है कि जिन विश्वविद्यालयों का नाम लेकर भारत में ढिंढोरा पीटा जा रहा है उन्होंने दुनिया के किसी भी देश में अपना कैंपस नहीं खोला है। यहां तक कि अमेरिका में भी कोई दूसरा स्टैनफोर्ड या एमआईटी नहीं है और ब्रिटेन में भी कोई दूसरा ऑक्सफोर्ड या कैंब्रिज नहीं है। असल में राजनीतिक विमर्श बनवाने वालों को पता है कि ऑक्सफोर्ड और कैंब्रिज भारतीय मध्य वर्ग के मानस में बैठे हुए हैं और संभ्रांत व उच्च वर्ग का होने की एक बड़ी शर्त इन विश्वविद्यालयों से पढ़ा होना भी होता है। तभी विदेशी विश्वविद्यालयों को अपना कैंपस भारत में खोलने की इजाजत देने के नियमों का मसौदा जारी होने पर इतना शोर मचा है।

सवाल है कि क्या भारत में विदशी विश्वविद्यालयों का कैंपस खुल जाने से भारत की उच्च शिक्षा में कोई गुणात्मक बदलाव आ जाएगा या भारत की उच्च शिक्षा की जो मौजूदा व्यवस्था है वह और चौपट हो जाएगी भारत में वैसे तो गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा देने वाले संस्थानों की बहुत कमी है। ऐसे गिने-चुने संस्थान हैं, जिनसे पढ़ने के बाद आमतौर पर छात्र विदेश चले जाते हैं। गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा देने वाले ऐसे संस्थानों की संख्या और सीमित है, जिनमें पढ़ाई का खर्च कम है और आम परिवार का नौजवान पढ़ाई अफोर्ड कर सकते हैं। पिछले कुछ बरसों से ऐसे कई संस्थानों की प्रतिष्ठा धूमिल करने और उनकी गुणवत्ता खराब करने के प्रयास चल रहे हैं। इसके साथ ही यह प्रयास भी चल रहा है कि सस्ती और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के क्षेत्र से सरकार को बाहर निकाला जाए। संसद में सरकार कह चुकी है कि भारत के लोगों को इस मानसिकता से निकलना चाहिए कि उच्च शिक्षा की फंडिंग करने की जिम्मेदारी सरकार की है।

सरकार की इस सोच का नतीजा है कि आज पूरे देश में निजी विश्वविद्यालय फल-फूल रहे हैं, जिनमें ऊंची फीस है, विदेशी फैकल्टी है और जो पूरी तरह से सामाजिक जिम्मेदारियों से मुक्त हैं। हालांकि इसका यह मतलब नहीं है कि निजी विश्वविद्यालयों को मंजूरी देने के बाद सरकार प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा पर बहुत ध्यान दे रही है और उसकी गुणवत्ता ठीक कर रही है। उनकी स्थिति भी पहले से खराब होती जा रही है। सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए खर्च नहीं बढ़ा रही है। नए कॉलेज, यूनिवर्सिटी या रिसर्च सेंटर नहीं खोले जा रहे हैं। नए शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हो रही है और न बुनियादी ढांचे का निर्माण हो रहा है। अब अगर निजी यूनिवर्सिटी के बाद विदेशी यूनिवर्सिटी के कैंपस खुलते हैं तो सरकार गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा देने की अपनी जिम्मेदारी से और दूर जाएगी। वह ऐसी व्यवस्था बनाना चाहती है, जिसमें उच्च शिक्षा पूरी तरह से निजी हाथों में चली जाए और जो लोग बहुत मोटी फीस चुका कर पढ़ने में सक्षम हों सिर्फ वे ही उच्च शिक्षा हासिल करें। बाकी बड़ी आबादी कामचलाऊ शिक्षा हासिल कर कुशल या अकुशल मजदूर के तौर पर काम करे।

बहरहाल, सरकार जो सोच रही है या यूजीसी ने जो मसौदा जारी किया है उसमें अपने आप कई चीजें ऐसी हैं, जिनसे विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए भारत में अपना कैंपस खोलना मुश्किल हो जाएगा। सबसे पहली और अहम चीज तो यह है कि ड्राफ्ट रेगुलेशन-2023 में कहा गया है कि विदेशी विश्वविद्यालयों को अपना कैंपस खोलने के लिए खुद बुनियादी ढांचा तैयार करना होगा। इससे पहले जिन देशों में ऑफशोर कैंपस का प्रयोग सफल हुआ है वहां होस्ट कंट्री यानी जिस देश में कैंपस खुलता है वह देश बुनियादी ढांचा मुहैया कराता है, विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए नियमों में ढील देता है और दिल खोल कर सब्सिडी देता है। बदले में विदेशी विश्वविद्यालय अपनी फैकल्टी उपलब्ध कराते हैं और कैरिकुलम तैयार करते हैं। अगर उनको बुनियादी ढांचा तैयार करना पड़ेगा तो यह देखना पड़ेगा कि कितने विदेशी इंस्टीच्यूट इसके लिए तैयार होते हैं। हालांकि विदेशी विश्वविद्यालयों को लुभाने के लिए इस ड्राफ्ट रेगुलेशन में यह प्रावधान किया गया है कि वे मुनाफा कमा कर पैरेंट इंस्टीच्यूट को पैसा ट्रांसफर कर सकते हैं। ध्यान रहे मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार जो फॉरेन एजुकेशनल इंस्टीच्यूट बिल ले आई थी उसमें संस्थाओं को पैसे बाहर ले जाने पर मनाही थी। उसमें यूनिवर्सिटी के भारतीय कैंपस के लिए कॉरपस फंड बनाने का प्रावधान था। उसे सरकार ने इस बार हटा दिया है। ऐसे में हो सकता है कि कुछ संस्थाएं दिलचस्पी दिखाएं।

दूसरी बाधा ड्राफ्ट रेगुलेशन के दो अन्य प्रावधानों को लेकर दिख रही है, जो कैरिकुलम यानी पाठ्यक्रम से जुड़े हैं। पहला तो यह है कि पाठ्यक्रम भारत के राष्ट्रीय हित और उच्च शिक्षा के लक्ष्य को नुकसान पहुंचाने वाला नहीं हो। यह स्वीकार करने में किसी को दिक्कत नहीं होगी। दूसरा प्रावधान यह है कि पाठ्यक्रम देश की संप्रभुता, एकता, अखंडता, सुरक्षा और दूसरे देशों के साथ संबंध को नुकसान पहुंचाने वाला नहीं हो। इसमें यह भी कहा गया है कि पाठ्यक्रम शिष्टता, नैतिकता और व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाला न हो। इस प्रावधान से दिक्कत हो सकती है क्योंकि व्यवस्था, शिष्टता और नैतिकता की व्याख्या बहुत विशाल है। दुनिया के जितने भी बड़े और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय हैं उनके यहां समाजशास्त्र या राजनीति और इतिहास की पढ़ाई बहुत खुले विचारों के साथ होती है। उन्हें अगर शिष्टता, नैतिकता या व्यवस्था के बंधन में बांधेंगे तो कम से कम ह्यूमनिटीज से जुड़े विषयों की पढ़ाई में मुश्किल आएगी।

विश्वविद्यालयों को फीस से लेकर दाखिले के नियम बनाने, अपना प्रशासन बनाने और चलाने, फैकल्टी यानी शिक्षकों की नियुक्ति करने, अकादमिक मामलों में स्वायत्तता दी गई है। कहा गया है कि वे 'ट्रांसपैरेंट और रिजनेबल' फीस तय कर सकते हैं और 'नीड बेस्ड स्कॉलरशिप' दे सकते हैं। लेकिन 'रिजनेबल' की क्या व्याख्या है क्या उसकी कोई सीमा है अगर फीस बहुत ऊंची रही, जिसकी संभावना ज्यादा है तो साधारण पृष्ठभूमि के छात्र कैसे उच्च शिक्षा हासिल कर पाएंगे इसी तरह 'नीड' से क्या मतलब है जैसे अभी भारत में कमजोर आर्थिक या सामाजिक पृष्ठभूमि के छात्रों, दलित या आदिवासी छात्रों आदि को आर्थिक मदद मिलती है, वैसी मिलेगी या कोई दूसरा पैमाना बनाया जाएगा दाखिले और फैकल्टी की नियुक्ति दोनों में संस्थान को स्वायत्तता होगी। यूनिवर्सिटी विदेशी शिक्षकों को भी नियुक्त कर सकते हैं। जाहिर है ऐसे में एफरमेटिव एक्शन के आरक्षण जैसे जो प्रावधान हैं वे दाखिले और शिक्षकों की नियुक्ति दोनों में लागू नहीं होंगे। सोचें, सरकार नई शिक्षा नीति का इतना ढिंढोरा पीट रही है क्या वह इसमें आर्थिक व सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए किए गए प्रावधानों को विदेशी विश्वविद्यालयों में लागू करा पाएगी

नई शिक्षा नीति की बात चली तो उसकी एक और बात से यह मसौदा अलग हटता दिख रहा है। उसमें कहा गया है कि दुनिया की एक सौ शीर्ष रैंकिंग वाली संस्थाओं को ही भारत में कैंपस खोलने की मंजूरी मिलेगी लेकिन अब मसौदा रेगुलेशन में इसे बढ़ा कर पांच सौ रैंकिंग तक कर दिया गया है। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि किसी देश के प्रतिष्ठित संस्थान को भी मंजूरी मिल जाएगी। हालांकि किस संस्थान को प्रतिष्ठित माना जाएगा, यह नहीं कहा गया है। रैंकिंग तय करने से लेकर प्रतिष्ठित संस्थान के चयन का काम यूजीसी को करना है। यह अच्छी बात है कि मसौदा रेगुलेशन में विदेशी कैंपस की डिग्री के किसी भारतीय संस्थान के समकक्ष होने की बाधा समाप्त कर दी गई है लेकिन यह सुनिश्चित करना होगा कि भारत में सभी नियोक्ता और दूसरे संस्थान उनकी डिग्री को स्वीकार करें।

सू- दोकू क्र.009

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.08 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

अर्थव्यवस्था :घरेलू बचत बढ़ना जरूरी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

इस समय देश में घरेलू वित्तीय बचत बढ़ाने की जरूरत अनुभव की जा रही है।

एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक 2023 की शुरुआत में दिखाई दे रहा है कि महंगाई और खर्च बढ़ने से भारतीय परिवारों की वित्तीय बचत घटकर करीब 30 साल के निचले स्तर पर आ गई है। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली छमाही में घरेलू वित्तीय बचत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4 प्रतिशत के बराबर दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2021-22 में 7.3 प्रतिशत के स्तर पर थी जबकि वर्ष 2020-21 में 12 प्रतिशत की ऊंचाई पर। धनराशि के आंकड़ों के मद्देनजर अप्रैल-सितम्बर, 2022 में घरेलू वित्तीय बचत 5.2 लाख करोड़ रुपये रह गई जो एक वर्ष पहले की समान छमाही में 17.2 लाख करोड़ थी।

ऐसे में आगामी तिमाहियों में बचत में तेजी नहीं आती है, तो अर्थव्यवस्था में खपत और निवेश, दोनों प्रभावित होते दिखेंगे। अतएव घरेलू वित्तीय बचत को बढ़ाने के लिए छोटी बचत योजनाओं को ब्याज दर के मद्देनजर आकषर्क बनाया जाना जरूरी है। यद्यपि सरकार ने जनवरी से मार्च, 2023 तिमाही के लिए राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी), डाकघर सावधि जमा, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना सहित छोटी जमा राशि पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है, किंतु महंगाई और जीवन निर्वहन के बढ़ते खचरे के मद्देनजर छोटी बचत योजनाओं और अधिक आकषर्क बनाना जरूरी है।

गौरतलब है कि जनवरी, 2023 से एनएससी पर 7 फीसदी की ब्याज दर मिलेगी। वर्तमान में यह 6.8 फीसदी है। वरिष्ठ नागरिक बचत योजना वर्तमान में 7.6 फीसदी के मुकाबले अब 8 फीसदी ब्याज देगी। 1 से 5 साल की अवधि की डाकघर सावधि जमा योजनाओं पर ब्याज दरों में 1.1 फीसदी तक की वृद्धि होगी। मासिक आय योजना में भी 6.7 फीसदी से बढ़कर 7.1 फीसदी ब्याज मिलेगा। ज्ञातव्य है कि इससे पहले 9 सितम्बर को सरकार ने अक्टूबर से दिसम्बर, 2022 की तीसरी तिमाही में किसान विकास पत्र के ब्याज दर को 6.9 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी किया था।

उल्लेखनीय है कि कोविड-19 की आर्थिक चुनौतियों से लेकर महंगाई की चुनौतियों के बीच देश में आम आदमी के सामने बड़ी चिंता छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दर कम रहना थी। रूस-यूक्रेन युद्ध जारी रहने, वैश्विक खाद्यान्न उत्पादन में कमी, अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा 2023 में मौद्रिक नीति को सख्त बनाए जाने से डॉलर की तुलना में रुपये की कीमत घटने की चिंता तथा चीन सहित कई देशों में कोहराम मचा रहे कोरोना वायरस के नये वेरिएंट की वजह से 2023 में महंगाई बढ़ने की आशंका के बीच इस वर्ष की शुरुआत में छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दर में वृद्धि छोटे निवेशकों के लिए राहतकारी है। स्पष्ट है कि अभी वैश्विक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था गतिशील है, और कारोबार से कर्ज की मांग तेजी से बढ़ रही है और बैंकों में कर्ज के मुकाबले जमा की रफ्तार धीमी है।

गौरतलब है कि 2008 की वैश्विक मंदी का भारत पर कम असर होने का एक कारण भारतीयों की संतोषप्रद घरेलू बचत की स्थिति को भी माना गया था। कोविड-19 से जंग में भारतीयों की घरेलू बचत विसनीय हथियार के रूप में दिखी। नेशनल सेविंग्स इंस्टीट्यूट (एनएसआई) द्वारा भारत में निवेश की प्रवृत्ति से संबंधित रिपोर्ट में कहा गया है कि लोगों के लिए छोटी बचत योजनाएं लाभप्रद हैं।

उम्मीद करें कि घरेलू वित्तीय बचत बढ़ाने की जरूरत के मद्देनजर वित्त मंत्रालय द्वारा तत्परतापूर्वक छोटी बचत की ब्याज दरों में बदलाव के लिए एक और उपयुक्त समीक्षा करके इस बार ब्याज दर बढ़ने से वंचित रहे पीपीएफ और सुकन्या समृद्धि योजना की ब्याज दरों में उपयुक्त वृद्धि की जाएगी। करीब पांच करोड़ कर्मचारियों से संबंधित ईपीएफ पर वर्तमान में दी जा रही और चार दशक की सबसे कम 8.1 फीसदी ब्याज दर में भी वृद्धि की जाएगी। इससे महंगाई की निराशाओं एवं मुश्किलों के बीच छोटी बचत करने वाले करोड़ों लोगों के चेहरों पर मुस्कुराहट बढ़ते हुए दिखाई दे सकेगी। बचत की प्रवृत्ति बढ़ने से छोटी बचत योजनाओं के बढ़े हुए कोष से अर्थव्यवस्था के लिए निवेश भी बढ़ाया जा सकेगा।

गणतंत्र दिवस पर शिव सेना मुख्यालय देहरादून में फहराया गया राष्ट्र ध्वज

नगर संवाददाता

देहरादून। गणतंत्र दिवस के अवसर पर शिव सेना प्रदेश प्रमुख गौरव कुमार ने गोविंद गढ़ स्थित शिव सेना उत्तराखंड मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर शिव सेना प्रदेश प्रमुख गौरव कुमार ने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

गौरव कुमार ने भारतीय संविधान के प्रणेता बाबा साहेब अंबेडकर सहित सभी महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और संविधान निर्माताओं को याद करते हुए अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। उन्होने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, संविधान निर्माताओं और राज्य आन्दोलनकारियों को नमन करते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस हमारे संविधान निर्माण का एक पर्व है। आज के दिन हमारे देश में बाबा साहेब अम्बेडकर के दिशा निर्देशन में बनाए गए संविधान को लागू किया गया था। गणतंत्र दिवस हमारे स्वाधीनता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान का स्मरण भी कराता है। यह अवसर हमें देशभक्तों के सपनों को साकार करने और अपने लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध होने का संकल्प लेने की भी प्रेरणा देता है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गये। इस अवसर पर पंकज तायल, राज नेगी, विकास मल्होत्रा, अमित करनवाल, शिवम् गोयल, कृष्ण गोपाल, जितेंद्र निर्वाल, विकास सिंह, अभिनव बेदी, शामेन्दर मल्ल, मनिंदर सिंह, हेमराज सिंह मौजूद रहे।

ट्रेक्टर की चपेट में आकर एक की मौत

संवाददाता

देहरादून। ट्रेक्टर की चपेट में आकर एक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपनगर निवासी हुकुम सिंह ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका साला भुडडी गांव की तरफ जा रहा था तभी पीछे से आ रहे ट्रेक्टर ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसको 108 की मदद से अस्पताल पहुंचाया जहां पर चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया।

भू-धंसाव को लेकर एनटीपीसी व सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

जोशीमठ (कासं)। जोशीमठ में भू-धंसाव को लेकर अब लोग और ज्यादा आक्रोशित हो गए हैं। एनटीपीसी की टनल का विरोध समेत विभिन्न मांगो को लेकर स्थानीय लोगों ने विशाल आंदोलन खड़ा कर दिया है। शुक्रवार को बड़ी संख्या में लोग जोशीमठ संघर्ष समिति के बैनर तले नगर पालिका परिषद के सामने एकत्रित हुए। आंदोलनकारियों ने एनटीपीसी और सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध जताया। बता दें कि अभी तक जोशीमठ में 863 भवनों में दरारें दर्ज की गई हैं, जबकि 181 भवनों को पूरी तरह से असुरक्षित घोषित किया जा चुका है। वहीं, होटल मलारी इन और माउंट व्यू के ध्वस्तीकरण का काम जारी है।

श्रद्धा पूर्वक मनाया गया शहीद बाबा दीप सिंह का जन्म दिवस

संवाददाता

देहरादून। शहीद बाबा दीप सिंह का जन्म दिवस श्रद्धा पूर्वक मनाते हुए जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किये गये।

आज यहां गुरुद्वारा श्री गुरुसिंह सभा, आढ़त बाजार देहरादून के तत्वावधान में बाबा दीप सिंह का जी का जन्म दिवस कथा-कीर्तन के रूप में श्रद्धा पूर्वक मनाया गया गुरुद्वारा परिसर मे जरुरतमंदों को 100 कम्बल वितरित किये। प्रातः नितनेम के पश्चात हजूरी रागी भाई सतवंत सिंह ने आसा दी वार का शब्द ''पुता माता की आशीष, व सतगुरु तुमरे काज सवारे'' का गायन किया, हैड ग्रंथी ज्ञानी शमशेर सिंह ने कथा करते हुए कहा कि बाबा दीप सिंह ने गुरु साहिब जी के आदेशों की पालना करते हुए सारा जीवन व्यतीत किया, 18 साल की उम्र में अमृत पान किया गुरु गोविंद सिंह जी के हुकम को मानते हुए अपने गांव के इलाकों में धर्म का प्रचार किया, तख्त श्री दमदमा साहिब जी में गुरु गोविंद सिंह जी को हुकम को मानते हुए भाई मनी जी ने गुरु ग्रंथ साहिब जी के समरूप तैयार किए वहां बाबा दीप सिंह जी को साही-कलम वह कागज उपलब्ध करवाने की जिम्मेवारी सौंपी, बाबा दीप सिंह जी ने वहीं रहकर सिखी का प्रचार किया अपने हाथों से गुरु ग्रंथ साहिब जी के सवरूप तैयार किए तथा अलग-अलग तख्तों पर प्रकाश के लिए भेजे गए, अपने बुजुर्ग की उम्र में बाबा दीप सिंह जी ने श्री हरमंदिर साहिब जी की होती हुई बेअदबी अपने सिर की कुर्बानी देकर बंद करवाई। भाई शमशेर सिंह ने सरबत के भले के लिए अरदास की,सरदार गुरबख्श सिंह राजन व सरदार गुलजार सिंह द्वारा संगतों को बाबा दीप सिंह के जन्मदिवस की बधाई दी गई। सरदार दविंदर सिंह जी भसीन ने कहा कि 5 फरवरी दिन रविवार को प्रातः सात बजे से साढे ग्यारह बजे तक शुकराना समागम सजाया जा रहा है। जिसमें सभी अपने परिवारों समेत आकर के गुरु महाराज की खुशी प्राप्त करें ,आई संगत को प्रबंधक कमेटी की और से बधाई दी, कार्यक्रम के पश्चात संगत ने गुरु का लंगर व प्रशाद ग्रहण किया। डी ए वी कॉलेज एलुमनाई एसोसिएशन के द्वारा जरूरतमंदों के लिए इस अवसर पर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के सहयोग से कम्बलो का वितरण किया गया। डीएवी कॉलेज एलुमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष सरदार हरचरण सिंह पसरीजा व सरदार दविंदर सिंह मान वरिष्ठ उपाध्यक्ष व गुरद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष सरदार गुरबख्श सिंह राजन ,सरदार गुलजार सिंह महासचिव, सरदार चरणजीत सिंह उपाध्यक्ष,सरदार देवेंद्र सिंह भसीन,गुरप्रीत सिंह जोली, सतनाम सिंह,राजेंद्र सिंह राजा, सरदार मंजीत सिंह दलबीर सिंह कलेर,आदि के द्वारा जरूरतमंद व्यक्तियों को सर्दियों से बचने के लिए कम्बलो का वितरण किया गया।

झंडारोहण कर की गयी कांग्रेस के 'हाथ से हाथ जोड़ो' कार्यक्रम की शुरुआत

नगर संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम की शुरुआत धर्मपुर विधानसभा के अंतर्गत हरिद्वार रोड बाईपास स्थित एक रिसोर्ट में हुई। जिसमें मुख्य अतिथि उत्तराखंड के वरिष्ठ पूर्व मंत्री डॉ हरक सिंह रावत ने झंडारोहण करके कार्यक्रम की शुरुआत की गयी।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डॉ रावत ने कहा कि राहुल गांधी की 3800 किलोमीटर भारत जोड़ो पदयात्रा देश में एक नया इतिहास बना गई वर्तमान सत्तारूढ़ दल ने जो देश में नफरत का माहौल बनाकर देश को तोड़ने की साजिश की उसको राहुल गांधी ने प्यार और मोहब्बत का पैगाम देकर कम करने की सफल कोशिश की गयी और उन्होंने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में भी नया संचार व जोश भरने का काम भी किया। डॉ रावत ने कहा आज देश बढ़ती बेरोजगारी, भर्ती घोटाला, छोटे दुकानदारों का धंधा पानी खत्म करने जैसी स्थिति से गुजर रहा है। देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गई है उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि कार्यकर्ता हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा को बूथ वार्ड तथा न्याय पंचायत स्तर तक लेकर जाएं और राहुल गांधी का संदेश और सरकार की विफलताओं को घर-घर जाकर लोगों को बताएं।

इस अवसर पर धर्मपुर विधानसभा के पूर्व मंत्री और विधायक दिनेश अग्रवाल ने भी अपने विचार कार्यकर्ताओं के सामने रखे। इस मौके पर महानगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लालचंद शर्मा, महानगर अध्यक्ष जसविंदर सिंह गोगी, प्रदेश महामंत्री पीके अग्रवाल तथा प्रदेश पूर्व सचिव विनोद चौहान के अलावा 15 पार्षद जिनमें मुख्य रूप से धर्मपुर विधानसभा के राजेश परमार, रमेश कुमार मंगू, मोहन गुरंग, अनूप कपूर, इलिहास खान, कोमल बोरा, मामचंद, महेंद्र रावत, अमित भंडारी आदि उपस्थित रहे। इससे पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष नरेंद्र कुमार ने डॉ हरक सिंह रावत को शाल तथा बुके देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान ने किया कार्यक्रम का संचालन कांग्रेस नेता विजय सिंह चौहान ने किया।

दुकान से सामान चोरी

देहरादून। चोरों ने दुकान का ताला तोडकर वहां से लोहे के पाईप व अन्य सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार इन्द्र प्रस्थ कालोनी निवासी अखिल वर्मा ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी रिंग रोड पर दुकान है। आज जब वह दुकान पर पहुंचा तो उसने देखा कि उसकी दुकान का ताला टूटा हुआ था। तथा सामान गायब था।

मातृ सेवा सदन
मो0 9760941522
वृद्ध माताओं का आश्रम (श्य्याग्रस्त न हों) निःशुल्क भोजन, वस्त्र एवं मैडिकल
सम्पूर्ण समर्पण फॉउन्डेशन (रजि.) 31/1 धर्मपुर, देहरादून
हेड ऑफिसः- साई छाया, जोहड़ी गाँव, देहरादून

एक नजर

गूंजेगा तो यहां सिर्फ जय श्री रामः कंगना रनौत

मुंबई। शाहरुख खान ने पठान फिल्म के साथ जोरदार वापसी की है। फिल्म और शाहरुख खान की इंडस्ट्री में हर कोई तारीफ कर रहा है। कंगना रनौत ने भी ट्विटर पर फिल्म की तारीफ की और कहा था कि, पठान अच्छा कर रही है और ऐसी फिल्में चलनी चाहिए। उन्होंने एक के बाद एक कई ट्वीट किया है जिसमें उन्होंने पठान की कॉमर्शियल सक्सेस पर विरोधियों को निशाना साधने वालों को हिदायत दी है और अपनी बात बड़ी सहजता से रखी है।

कंगना रनौत ने ट्वीट किया, जो लोग दावा कर रहे हैं कि पठान नफरत पर प्यार की जीत है, मैं सहमत हूं लेकिन किसका प्यार किसकी नफरत पर? 80 प्रतिशत हिंदू रहते हैं और फिर भी पठान नाम की एक फिल्म, जो हमारे दुश्मन देश पाकिस्तान और आईएसआईएस को अच्छी रोशनी में दिखाती है, सफलतापूर्वक चल रही है। नफरत और फैसले से परे भारत की यही भावना इसे महान बनाती है...। यह भारत का प्यार है जिसने नफरत और दुश्मनों की क्षुद्र राजनीति पर विजय प्राप्त की है। लेकिन वे सभी जो उम्मीदें रखते हैं कृपया ध्यान दें ... पठान सिर्फ एक फिल्म हो सकती है ... गूंजेगा तो यहां सिर्फ जय श्री राम... जय श्री राम। पठान के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने पहले दिन 55 करोड़ की कमाई की है। वहीं, वर्ल्डवाइड फिल्म के पहले दिन का कलेक्शन 106 करोड़ रहा है।

सोमालिया में आईएसआईएस के एक सीनियर लीडर सहित 10 आतंकी मारे गए

न्यूयॉर्क। अमेरिका की स्पेशल फोर्स ने उत्तरी सोमालिया में इस्लामिक स्टेट के आतंकियों वीसी के खिलाफ ऑपरेशन चलाया। अमेरिकी सेना ने बुधवार को एक विशेष अभियान के तहत उत्तरी सोमालिया में इस्लामिक स्टेट के एक सीनियर लीडर बिलाल अल-सुदानी समेत उसके 10 साथियों को मार गिराया है। अमेरिकी सेना के ऑपरेशन में किसी आम नागरिक के घायल होने या फिर मरने की खबर नहीं है। अमेरिका के एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि उत्तरी सोमालिया के एक इलाके में हेलीकॉप्टर हमले में इस्लामिक स्टेट के एक बड़े आतंकी को ढेर कर दिया गया।

अमेरिकी फोर्स ने सोमालिया में इस्लामिक स्टेट के वरिष्ठ लीडर अल-सुदानी को मार गिराने का दावा किया है। बाइडेन प्रशासन ने गुरुवार को घोषणा की है कि अमेरिकी विशेष अभियान बलों ने सुदूर उत्तरी सोमालिया में इस्लामिक स्टेट समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी और 10 अन्य आतंकवादियों को मार गिराया है। 25 जनवरी यानी बुधवार को चलाए गए ऑपरेशन में एक पहाड़ी गुफा परिसर में वैश्विक आतंकवादी संगठन के प्रमुख लीडर बिलाल अल-सुदानी को निशाना बनाया गया। राष्ट्रपति जो बाइडेन को पिछले हफ्ते प्रस्तावित मिशन के बारे में जानकारी दी गई थी. इस ऑपरेशन को महीनों की योजना के बाद अंजाम दिया गया. रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने विशेष अभियान में आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि की. उन्होंने कहा कि 25 जनवरी को राष्ट्रपति के आदेश पर अमेरिकी सेना ने उत्तरी सोमालिया में एक ऑपरेशन चलाया, जिसमे आईएसआईएस के कई आतंकी मारे गए।

खूंखार डकैत को मार गिराने वाली एसटीएफ टीम को तीन-तीन लाख का नकद पुरस्कार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पहली बार खूंखार डकैत को मार गिराने वाली टीम को मुख्यमंत्री की तरफ से प्रशंसा पत्र के साथ नकद पुरस्कार और पिस्टल इनाम में दी गई है। पुलिस मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में डीजीपी डीएस चौहान ने 8 सदस्यीय एसटीएफ टीम को यह इनाम दिया है। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में फैले बुंदेलखंड के बीहड़ों में आतंक का आखिरी पर्याय गौरी यादव को ढेर करने वाली यूपी एसटीएफ की टीम को गणतंत्र दिवस के मौके पर सम्मानित किया गया।

मध्य प्रदेश से 50 हजार और उत्तर प्रदेश से 5 लाख के इनामी गौरी यादव को यूपी एसटीएफ की टीम ने 30 अक्टूबर 2021 को चित्रकूट के बहिलपुरवा के जंगलों में मार गिराया था। गौरी यादव पर उत्तर प्रदेश के साथ-साथ मध्य प्रदेश में भी 50 केस दर्ज थे। डीजीपी डीएस चौहान ने एडीजी प्रशांत कुमार और अमिताभ यश के साथ पूरे ऑपरेशन में शामिल सभी 8 सदस्यों को तीन-तीन लाख का नकद पुरस्कार, मुख्यमंत्री का प्रशस्ति पत्र और सभी को एक-एक पिस्टल इनाम में दी गई। डीजीपी डीएस चौहान ने खुद प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार के साथ-साथ पुलिस टीम की कमर में पिस्टल लगाकर सम्मानित किया। बता दें कि यह पहली बार है जब पुलिस टीम को किसी ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देने के बाद प्रशस्ति पत्र, नकद इनाम के साथ-साथ पिस्टल देकर सम्मानित किया गया है।

मुस्लिम फंड बनाकर लोगों से ठगे करोडों रुपये, तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मुस्लिम फंड बनाकर लोगों से काला धन सफेद करने, पुराने नोटों को बदलने सहित विभिन्न प्रकार का लालच देकर करोडों रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुस्लिम फंड के संस्थापक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके 23 बैंक खाते फ्रीज कर दिये है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वसीम पुत्र समीम रावत निवासी ग्राम इब्राहिमपुर थाना पथरी जिला हरिद्वार द्वारा थाना ज्वालापुर पर कबीर म्युचल बैनिफिट लिमिटेड (मुस्लिम फण्ड) के संस्थापक अब्दुल रज्जाक पुत्र सरफू निवासी ग्राम सराय थाना ज्वालापुर जिला हरिद्वार के द्वारा बैंक में उसके द्वारा जमा किये गये 2 लाख 81 हजार धनराशि व हजारों अन्य लोगों की जमा राशि लेकर फरार हो जाने के सम्बन्ध में मुकदमा दर्ज कराया। हजारों लोगों के बैंक खातों की प्रभावित धनराशि को देखते हुए एसएसपी अजय सिंह के द्वारा प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुए जांच तेज करने के निर्देश दिये गये। जिसके लिए छह टीमें गठित की गयी। उक्त मुस्लिम फण्ड वर्ष 1998 से संचालित किया जा रहा था जिसे वर्ष 2020 में कबीर म्युचल बैनिफिट लि. के रुप में कार्पोरेट मंत्रालय से मान्यता प्राप्त कराया गया। तथाकथित बैंक में 13382 एक्टिव खाते पाये गये, जिनमें 8716 खातों में 500 रुपये से कम धनराशि होना पाया गया। उक्त खाताधारकों की कुल करीब 7 करोड 5 लाख धनराशि उक्त बैंक में निहित होना पाया गया जिसमें से करीब डेढ करोड रुपये धनराशि अब्दुल रज्जाक के द्वारा लोगों का सोना गिरवी रखकर उन्हें 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज पर देना पाया गया।

जांच के दौरान अब्दुल रज्जाक उसके परिवार व उसके संदिग्ध सहयोगियों के 23 बैंक खाते फ्रीज किये जा चुके हैं इसके अलावा इनके द्वारा अर्जित चल अचल सम्पत्ति का विवरण जुटाया जा रहा है। जांच के दौरान पाया गया कि मुस्लिम फण्ड में जमा धनराशि जो कि लोग बगैर ब्याज लिये जमा करा रहे थे को अब्दुल रज्जाक व उसके साथी प्रोपर्टी की खरीद फरोख्त कर उससे अपने निजी हित में लाभ अर्जित कर रहे थे। मुकदमा उपरोक्त में फरार अब्दुल रज्जाक को पुलिस टीम द्वारा हरिद्वार से गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तारी के पश्चात रज्जाक द्वारा बताया गया कि वह वर्ष 2013 से मुस्लिम फण्ड में जमा कराये गयी रकम को अपने साथियों नसीम उर्फ मुन्ना पुत्र जिन्दे हसन निवासी ग्राम सराय थाना ज्वालापुर हरिद्वार व मशरूर पुत्र इरसाद अली निवासी ग्राम सराय थाना ज्वालापुर हरिद्वार के सहयोग से ज्वालापुर के आस-पास प्रोपर्टी की खरीद फरोख्त कर खासा लाभ अर्जित कर रहा था। इसके साथ ही उसने लोगों को पुराने नोट बदलने व जमीनों की खरीद फरोख्त कर करोडों रूपये ठगने के मामले को भी स्वीकार किया। पुलिस ने तीनों को न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

22 अप्रैल को खुलेंगे गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट

देहरादून (कासं)। उत्तराखंड स्थित चार धामों के खुलने का ऐलान हो गया है। केदारनाथ मंदिर के कपाट 26 अप्रैल को और बद्रीनाथ मंदिर के कपाट 27 अप्रैल को खुलेंगे। मंदिर समिति ने शुक्रवार को बताया कि इसी तरह गंगोत्री एवं यमुनोत्री के कपाट 22 अप्रैल को खुलेंगे। श्री बदरीनाथ धाम के कपाट 27 अप्रैल को प्रातः 7 बजकर 10 मिनट पर खुलेंगे। बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर आयोजित धार्मिक समारोह में पंचांग गणना के पश्चात विधि विधान से कपाट खुलने की तिथि तय हुई। नवंबर महीने में चार धामों के कपाट बंद कर दिए गए थे।

कार खाई में गिरी दो की मौत, दो घायल

हमारे संवाददाता

पौड़ी। सड़क दुर्घटना में देर रात एक कार के खाई में गिर जाने से जहां दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं दो लोग गभीर रूप से घायल हुए है। जानकारी के अनुसार कल देर शाम लगभग 7.30 बजे एक कार पौड़ी-कोटद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर जखेठी पीपली पानी के पास गहरी खाई मे जा गिरी। जिसमें सवार चार लोगों में से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि दो गभीर घायल हुए है। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ व स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू अभियान चलाते हुए मृतकों व घायलों को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

पटवारी पेपर लीक प्रकरणः एसआईटी ने की बारहवीं गिरफ्तारी, रिटायर शिक्षक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पटवारी पेपर लीक मामले में एसआईटी ने रिटायर शिक्षक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो लाख रूपये की नगदी बरामद कर ली। इस प्रकरण में एसआईटी ने 12वी गिरफ्तारी कर ली है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी अजय सिंह गिरफ्तारी की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए एसआईटी ने जांच से प्रकाश में आये अभयराम को गिरफ्तार किया। बीते वर्ष शिक्षक पद से रिटायर अभयराम ने अपने एक रिश्तेदार के माध्यम से राजपाल व संजीव दुबे के साथ मिलकर पटवारी/लेखपाल भर्ती का पेपर आउट करने हेतु लगभग आधा दर्जन से अधिक छात्रों को परीक्षा प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने हेतु प्रत्येक अभ्यर्थी से मोटी रकम तय कर अभ्यर्थियों को बिहारीगढ स्थित रिजार्ट में लाया गया। रिजार्ट में आए उक्त अभियर्थियों को चिन्हित कर उनसे आवश्यक साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे है। एसआईटी ने उसके कब्जे से दो लाख रूपये नगद व अभ्यार्थियों से लिये गये चेक बरामद कर लिये हैं।

एसआईटी ने इससे पहले 11 लोगों गिरफ्तार कर किया है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।